Mardi 13 mars 2012

HIN2B09b - Compréhension de l'écrit

Cours – 6

1. Expliquez 10 expressions suivantes et faites des phrases avec 5 d'entre elles.

अवसर मिलना avoir l'occasion	नज़दीक से देखना voir de près	मददगार साबित होना s'avérer utile
नाममात्र का en nom seulement	सतर्कता बरतना prendre précaution	उम्मीद करना espérer
बिगुल बजाना annoncer qqch./opposer	पहल करना initier	संवाद कायम करना établir un dialogue
मखौल ऊड़ाना se moquer de	श्रेय मिलना obtenir le crédit pour	पैठ बनाना se faire une entrée quelque part
मान्यता होना croyance traditionnelle	जागरूक करना sensibiliser	पटा पड़ा होना être truffé de

2. Donnez le sens des mots suivants :

निश्चिंतता insouciance	सर्वग्राही acceptant tout	प्रौढ़ d'âge mûr	उपयोगिता utilité
भूमिका rôle	विकल्प alternatif	दायरा périmètre	व्यक्तित्व personnalité
छवि image	आकलन évaluation	परिप्रेक्ष्य perspective	हौसला courage
मेलजोल	नामकरण donner un nom	मान्यता croyance	प्रतिबंध interdiction
उल्लंघन outrepasser	दीवानागी folie	गतिविधि activité	भागीदारी participation
मंजूरी acceptation	सुरक्षित protégé	स्थापित établi	एकमात्र unique
आशंका peur, doute	आबादी population	उपस्थिति présence	दबाव pression
बहकना se détourner du droit chemin		मचलना faire caprice d'enfant	

3. Identifiez les mots composants et donnez le sens

सौंदर्य-प्रसाधन produit de beauté	बाजारीकरण commercialisation	असामाजिक-तत्व les éléments antisociaux
उद्देश्यहीन sans but	मार्गदर्शक ce qui indique le chemin	गर्भ निरोधक contraceptif

होली एक ऐसा त्यौहार है जो ऋतुराज वसंत में आता है। इसी समय सर्दी का अन्त और ग्रीष्म का आगमन होता है। इस समय ऋतु-परिवर्तन से चेचक variole के रोग का प्रकोप déclenchement होता है। इस संक्रामक रोग से बचने के लिये पुराने समय में टेसू (fleur rouge) के फूलों का रंग बनाकर एक-दूसरे पर डालने की प्रथा चलाई गई थी और यज्ञ की सामग्री में भी इन्हीं फूलों की अधिकता रखी गई थी जिससे वायु में उपस्थित रोग के कीटाणु microbe नष्ट हो जायें। पर आज उस टेसू के लाभदायक रंग के स्थान पर हानिकारक विदेशी रंगों का प्रयोग किया जाता है और लोग उनके चटकीलेपन को पसन्द भी करते हैं। अब वह प्रथा बहुत विकृत déformé हो गई है और लड़के तथा नवयुवक बुरे-बुरे रंग सर्वथा अनजान और भिन्न समाज वालों पर भी डाल देते हैं, जिससे अनेक बार खून-खराबी की नौबत tour तक आ जाती है और रंग की होली के बजाय खून की होली दिखलाई पड़ने लगती है। यह मूर्खता की पराकाष्ठा zénith है, और ऐसे लोग-त्यौहार मनाने की बजाय देश तथा धर्म की हत्या करते हैं।

होली को पूर्वजों ने एक सामूहिक सफाई के त्यौहार के रूप में भी माना था। जैसे दिवाली पर प्रत्येक व्यक्ति निजी घर की लिपाई, पुताई और स्वच्छता करता है, उसी प्रकार होली पर समस्त ग्राम या कस्बे की सफाई का सामूहिक कार्यक्रम रखा जाता था। वसंत ऋतु में सब पेड़ों के पत्ते झड़-झड़ कर चारों और फैल जाते है, बहुत कुछ कूड़ा कबाड़ भी स्वभावतः इकट्ठा होता है, उस सबकी सफाई होली में कर दी जाती थी। पर अब लोग उस उद्देश्य

को भूलकर दूसरों पर कीचड़ boue और धूल फेंकने को त्यौहार का अंग समझ बैठे हैं। इससे उल्टा लोगों का स्वाथ्य खराब होता है और अनेक बार आँख आदि में चोट भी लग जाती है।

प्राचीन समय में होली प्रेम भाव को बढ़ाने वाला त्यौहार था। अगर वर्ष भर में आपस में कोई-झगड़े या मनमुटाव mécontentement की बात हो गई हो तो इस दिन उसे भुलाकर सब लोग प्रेम से गले मिल लेते थे और पुरानी गलतियों के लिए एक-दूसरे को क्षमा करके फिर से मित्र सहयोगी बन जाते थे अब भी इस दिन एक-दूसरे के यहाँ मिलने को जाते हैं, पर प्रायः नशा करके गाली बककर झगड़ा पैदा कर लेते हैं, जो होली के उद्देश्य के सर्वथा प्रतिकूल है।

वास्तव में होली का त्यौहार हमारे समाज में सबसे अधिक सामूहिकता का परिचायक है और यदि इसे समझदारी के साथ मनाया जाय तो यह हमारे लिये अत्यन्त कल्याणकारी सिद्ध हो सकता है। जिस प्रकार होली के पौराणिक उपाख्यान récit में बतलया गया है कि सच्चे भक्त प्रहलाद् ने असत्य और अन्याय का प्रतिरोध करके सत्य की रक्षा की थी (विष्णुपुराण में प्रह्लाद एक विष्णु भक्त था और ईश्वर में उसकी अटूट आस्था foi थी। इस पर क्रोधित होकर उसके पिता हिरण्यकश्यप ने उसे मृत्यु दंड peine de mort दिया। हिरण्यकश्यप की बहन, होलिका, जिस को आग से न मरने का वर bénédiction था, प्रह्लाद को लेकर अग्नि में बैठ गई, परंतु ईश्वर की कृपा से प्रह्लाद को कुछ न हुआ और वह स्वयं भस्म हो गई।) और उसी की स्मृति mémoire में होली के त्यौहार की स्थापना instauration की गई थी, उसी प्रकार हम भी यदि इस वास्तविक उद्देश्य का ध्यान रखकर होली का त्यौहार मनायें तो इस अवसर पर वर्तमान समय में होने वाली अनेक हानियों से बचकर इस त्यौहार को लोक कल्याण का एक प्रमुख साधन बना सकते हैं।

4. Répondre aux questions suivantes en français en identifiant les mots clés en hindi

1. Quelle était la raison pratique à la base de cette fête ?
2. Quelle sont les dangers dans la célébration de cette fête ?
3. Quelles sont les déformations de l'idée originale de cette fête ?
4. Holi célèbre quel événement mythologique ?
5. Y-a-t-il une erreur dans la description de la saison (वसंत=printemps) ? Expliquez.

5. Résumez le message de l'auteur (les points importants de cet article - au moins quatre)